जरा प्यार से बोलना सीख लीज

सूचना नुसार कृतियाँ करो [PAGE 15]

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (१) | Page 15

प्रवाह तालिका पूर्ण करो :

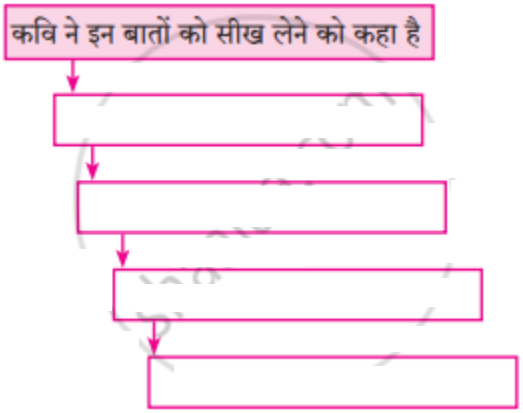

Solution:

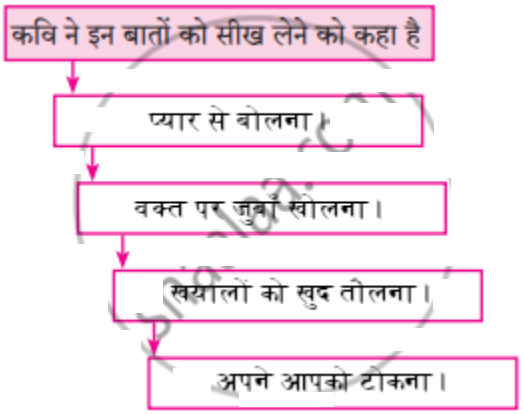

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (२) १. | Page 15

उत्तर लिखो :

काँटे बोने वाले

Solution: काँटे बोने वाले - **कटु वचन**

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (२) २. | Page 15

उत्तर लिखो :

चुभने वाली

Solution: चुभने वाली - **बात**

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (२) ३. | Page 15

उत्तर लिखो :

फटने वाले

Solution: फटने वाले - **पटाखे**

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 15

चुप रहने के चार फायदे लिखो :

१. _____

२. _____

३. _____

4. _____

Solution: चुप रहने के चार फायदे लिखो :

१. विवाद से बचते हैं।

२. मन शांत रहता है।

३. एकाग्रता बढ़ती है।

४. आत्मचिंतन में सहायता मिलती है।

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 15

कविता की अंतिम चार पंक्तियों का अर्थ लिखो।

बात बेबात कोई चुभने लगे तो,
बदलकर उसे मोड़ना सीख लीजे।

ये किसने कहा होंठ सीकर के बैठो,
जरूरत पे मुँह खोलना सीख लीजे।

Solution: कवि पहली दो पंक्तियों में कहता है कि यदि कोई छोटी-बड़ी बात आपके हृदय को कष्ट पहुँचाए, तो उसे मोड़ना चाहिए अर्थात उसे भुलाने या उसकी नकारात्मकता के बजाय उसके सकारात्मक पहलुओं पर विचार करना चाहिए। कवि के अनुसार अनायास ही परेशान करने वाली बातों को सोचने से बेहतर है, उस परेशानी को दूर करने या उसके सकारात्मक पहलुओं पर विचार कर स्वयं के हौसले को बुलंद करने का प्रयास करना चाहिए। अंतिम दो पंक्तियों में कवि कहता है कि यह कोई नहीं कहता है कि अपने होंठ सिलकर बैठो अर्थात किसी भी बात पर अपनी

प्रतिक्रिया मत दो, बल्कि जरूरत के समय अपना मत व्यक्त करना आना चाहिए। कवि के अनुसार हमेशा अपनी जुबाँ पर ताला लगाना न ही उचित है और न ही कोई ऐसी सलाह देता है। अत: आवश्यकता पड़ने पर प्रतिक्रिया देना बहुत जरूरी है।

सूचना नुसार कृतियाँ करो | Q (५) | Page 15

कविता में आए इस अर्थ के शब्द लिखो :

	अर्थ	शब्द
(१)	मधु	_____
(२)	कड़वे	_____
(३)	विचार	_____
(४)	आवश्यकता	_____

Solution:

	अर्थ	शब्द
(१)	मधु	**शहद**
(२)	कड़वे	**कटु**
(३)	विचार	**खयाल**
(४)	आवश्यकता	**जरूरत**

भाषा बिंदु [PAGE 15]

भाषा बिंदु | Q 1 | Page 15

उपसर्ग/प्रत्यय अलग करके मूल शब्द लिखो :

भारतीय, आस्थावान, व्यक्तित्व, स्नेहिल, बेबात, निरादर, प्रत्येक, सुयोग

Solution: भारत, आस्था, व्यक्ति, स्नेह, बात, आदर, एक, योग

उपयोजित लेखन [PAGE 15]

उपयोजित लेखन | Q 1 | Page 15

'यातायात की समस्याएँ एवं उपाय' विषय पर निबंध लिखो।

Solution: आज के इस आधुनिक युग में यातायात के साधनों का अपना एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। रेल, हवाईजहाज, पानी के विशाल जहाज, कार इत्यादि आधुनिक यातायात के साधनों के बगैर इस आधुनिक युग की कल्पना करना भी असंभव है। इन साधनों के कारण ही मानव का जीवन सरल व सुखमय बन पाया है। यातायात मानव के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। मुख्यत: यातायात के तीन प्रकार होते हैं, जिनमें जल, वायु व सड़क यातायात का समावेश है।

यातायात के विभिन्न साधन विज्ञान की अनमोल देन हैं। इनके उपयोग से मनुष्यजाति को अनगिनत लाभ हुए हैं। जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, उसी प्रकार यातायात के साधनों से लाभ के साथ ही कुछ हानियाँ भी जुड़ी हुई हैं। इन साधनों के अधिकाधिक उपयोग के कारण पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सड़क पर सरपट दौड़ने वाली बस, कार, स्कूटर, रिक्शा इत्यादि से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व गैस हमारे पर्यावरण को जहरीला बना रहे हैं। हवाईजहाजों, हेलीकॉप्टरों आदि के कारण पंछियों की कई प्रजातियों पर खतरा मँडराने लगा है तथा वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है। समुद्र में चलने वाले विशालकाय जहाजों से वातावरण को क्षति तो पहुँच रही है साथ ही समुद्री जीव भी संकट में आ गए हैं। सड़क यातायात के साधनों की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। इसके साथ ही सड़कों, हवाईअड्डों आदि के निर्माण के लिए जंगलों व पहाड़ों को काटा जा रहा है। नदियों व समुद्र के तटीय क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया जा रहा है।

पर्यावरण पर हो रहे प्रतिकूल परिणामों को रोकना अब अति आवश्यक हो गया है। यदि जल्द ही पर्यावरण में बढ़ रहे प्रदूषण को रोका नहीं गया, तो हमारा पर्यावरण जीवन के लायक नहीं रह जाएगा। यह विषाक्त हो जाएगा। अत: हमें अधिकाधिक निजी यातायात साधनों के इस्तेमाल से बचकर सार्वजनिक यातायात साधनों, जैसे – बस, रेलगाड़ी इत्यादि का उपयोग करना चाहिए। सड़क, वायु व समुद्री यातायात के साधनों का उपयोग करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनसे निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व गैस वातावरण को कम-से-कम क्षति पहुँचाएँ। अधिकाधिक वृक्षारोपण करने हेतु व्यापक तौर पर प्रभावी अभियान चलाए जाएँ। इस प्रकार जरूरी उपायों पर ध्यान देकर हम यातायात के साधनों का लाभ लेने के साथ ही उनके कारण होने वाली समस्याओंसे भी छुटकारा प्राप्त कर सकते हैं।

उपयोजित लेखन | Q 2 | Page 15

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: सदैव सोच-विचारकर सही समय पर बोलना चाहिए; वाणी मीठी होनी चाहिए; वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए और जरूरत के वक्त पर बोलने से पीछे नहीं हटना चाहिए।